बिहार विधान-सभा वादवृत्त

बुधवार, तिथि १४ जून, १९७२।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटना के सभा-सदन में बुधवार, तिथि १४ जून, १९७२ को पूर्वाह्न ११ बजे अध्यक्ष, श्री हरिनाथ मिश्र के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ।

अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर

अन्तरिम सहायता।

७२। श्री ए० के० राय—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि बिहार एवं केंद्र सरकार राजेन्द्र मेमोरियल रिसर्च, इन्स्टीच्यूट ऑफ मेडिकल साइन्स, पटना का पूरा व्यय वहन करती है; फिर भी इसकी व्यवस्था प्राइवेट मैनेजमेंट द्वारा की जाती है;

(२) क्या यह बात सही है कि इनके कर्मचारियों को अक्तूबर, १९७० से मार्च, १९७१ तक १८·२५ रु० के हिसाब से अंतरिम सहायता दी गयी है जो अब अप्रील, १९७१ से बन्द कर दिया गया है;

(३) क्या यह बात सही है कि स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से बिहार सरकार ने इसके प्रबन्धकों को कर्मचारियों के बकाया अन्तरिम सहायता चुका देने का आदेश दिया है लेकिन आदेश का पालन अबतक नहीं हो सका है;

(४) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त संस्थान को अपने हाथ में लेने का विचार रखती है; यदि नहीं, तो क्यों तथा कर्मचारियों के बकाया अन्तरिम सहायता एवं अन्य सुविधा को प्रदान करने के लिए ठोस कदम उठाना चाहती है ?

श्री नरसिंह बैठा—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२ से ४) लोक निर्माण विभाग, गया प्रमंडल के अधीन श्री शीतल पांडे, राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-३१ पर फतेहपुर-सिरदौला अंश के सुरक्षण के लिए कार्यभारित वर्क सरकार थे। उक्त राष्ट्रीय उच्च पथ का स्थानान्तरण मई' ७१ से कोडरमा राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल संख्या-१ में हो गया और इस पथ के स्थानान्तरण के साथ उस पर भारत वर्क सरकार, श्री शीतल पांडे, की सेवाएँ भी कोडरमा राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल—१ में स्थानान्तरित कर दी गई। लेकिन श्री शीतल पांडे १-५-७१ से ७-१२-७१ तक निजी काम से छुट्टी पर चले गए और जब ८-१२-७१ को वे कोडरमा राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल संख्या-१ में कार्यभार ग्रहण करने के लिए गए तो कार्यपालक अभियन्ता, राष्ट्रीय उच्च पथ कोडरमा, प्रमंडल संख्या-१ ने उन्हें कार्य-ग्रहण करने इसलिए नहीं दिया कि उनके अधीन वर्क सरकार का कोई पद रिक्त नहीं है।

अपर मुख्य अभियन्ता, राष्ट्रीय उच्च पथ परियोजना, उप-भाग को अनुरोध किया गया है कि वे श्री पांडे को कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति दें। साथ-साथ कार्यपालक अभियंता, गया प्रमंडल को यह अनुदेश दिया गया है कि जबतक श्री शीतल पांडे कार्यभार राष्ट्रीय उच्च पथ योजना में ग्रहण नहीं कर लेते, तबतक उनका वेतन भत्ता इत्यादि गया प्रमण्डल से उनको दिया जाय। तदनुसार कार्यपालक अभियन्ता, गया प्रमंडल ने इनका तिथि ८-२-७१ से तिथि ३१-५-७२ तक का वेतन को कैश करवा दिया है लेकिन चूंकि श्री पांडे प्रमंडल कार्यालय में नहीं जाते हैं, इसलिए उनके बकाए वेतन का भुगतान नहीं हो सका है। तिथि १-५-७१ से तिथि ७-१२-७१ तक इनकी अनुपस्थिति को छुट्टी मंजूर कर नियमित करने का प्रश्न अभी कार्यपालक अभियंता, गया प्रमंडल के विचाराधीन है। इनकी छुट्टी मंजूर होने पर इन्हें छुट्टी सवेतन दिया जायगा।

उपर्युक्त स्थिति में इनके वेतन भुगतान में विलंब के लिए कार्यपालक अभियन्ता, गया प्रमण्डल को दोषी ठहराने का प्रश्न ही नहीं उठता है।

सड़क एवं पुल का निर्माण

१३८७—श्रीमती शकुन्तला देवी—क्या मंत्री, लो० नि० वि०, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि भागलपुर जिलान्तर्गत बेलहर प्रखंड में लो० नि० वि० द्वारा सड़कों का निर्माण गत २५ वर्षों में नहीं हुआ है;

(२) बेलहर से बाँका सड़क के निर्माण की दिशा में अबतक क्या प्रगति हुई है;

(३ उक्त सड़क की लम्बाई कितनी है इस पर कौन-कौन और किस प्रकार के कार्य करने की योजना है ;

(४) इस पर अनुमानित व्यय कितना होगा और कबतक इस सड़क तथा इसके पुल और पुलियों का निर्माण पूरा करने की योजना है ?

श्री नरसिंह बैठा—(१) इस क्षेत्र में बांका बेलहर एवं बेलहर कटोरिया सड़क क्रमशः १९६५ एवं ६६ में की गई है।

(२) इस सड़क को केवल मूरम सड़क के रूप में बनाना था परन्तु अब इसे पक्का करने का विचार है। पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति के लिये प्राक्कलन बनाये जा रहे हैं। अभी मिट्टी का कार्य चालू है।

(३) यह सड़क २०½ मील लंबी है। इस सड़क की मूल योजना में मूरम सड़क बनाने एवं पुल-पुलियों के बनाने का उपबंध था। पुनरीक्षित प्राक्कलन में इस सड़क को पक्की सड़क बनाने का उपबंध किया गया है।

(४) इस सड़क पर प्रशासकीय स्वीकृति के अनुसार १६-०० लाख रुपये का उपबंध है। पुनरीक्षित अनुमानित राशि ३५-५२ लाख रुपये हैं। पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति में भारत सरकार की स्वीकृति के बाद निर्माण कार्य आरम्भ होगा।

सड़क का निर्माण

१४११। श्री लाल बिहारी प्रसाद—क्या मंत्री, सा० वि० एवं पं० विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि बक्सर इटाढ़ी रोड की दयनीय दशा के कारण सवारियों का आवागमन बन्द हो गया है ;

(२) क्या यह बात सही है कि उपरोक्त सड़क निर्माण हेतु सरकार की ओर से दो लाख रुपये आवंटित किये गये हैं ;

(३) क्या यह बात सही है कि अभी तक उक्त सड़क का निर्माण कार्य आरम्भ नहीं किया गया है ;

(४) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो जनहित को ध्यान में रखते हुए क्या सरकार सड़क का निर्माण बरसात के पूर्व करने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों ?

श्री केदार पाण्डेय—(१) यह बात सही है कि सड़क की दशा खराब है। सवारियों का आवागमन बन्द नहीं है। परन्तु इसमें कठिनाई है।